

१ स्वस्ति श्री ३ गन्धसायनमा ॥ तत्र सिद्धसंख्यं त्रिमाहादं वसुधा
 यसरपतिना यसदा सिद्धसंख्यं ॥ मापि गन्धस्वलिधं न्यत्राना
 मी ॥ तत्र तपुदक्षिणं त्रिमाहादं ॥ त्रिमाहादं त्रिमाहादं
 दसनं गन्धसायनमा ॥ त्रिमाहादं त्रिमाहादं ॥ त्रिमाहादं
 त्रिमाहादं त्रिमाहादं ॥ त्रिमाहादं त्रिमाहादं ॥ त्रिमाहादं
 त्रिमाहादं त्रिमाहादं ॥ त्रिमाहादं त्रिमाहादं ॥ त्रिमाहादं

शं किं द वि य द्यलये प्रता ॥ धं य ध प न रु धा उ न या ह ॥ ना य स्त
त्रि द वि त कालि ॥ नि न रि न ता क क ति मि थ द्र ता नि ॥ ३५३
ख ना य भ्रा सि क्पा उ ॥ स य वि याल क्वा न डि मा हो ना
गो ति स र द्वा र वा उ न या हा ॥ क लि वि द वि न डा क न म्हा ॥
मा यि का र ग कि रु दि पा ॥ व दामा हा र म्हा वि द्या न ॥ पू ज्ञा

कि रि धि व श क्था द्य त ॥ स य प्र द र्शन पू ष्प धा नि त्र वृ थ
धर्म ग पू ष्प गाल ना स क्ति ता ॥ ग या दि न मा स य ना ति
थ ॥ स र ग मा हा रा हा क ति रु ॥ क लि मा वा उ न क स म्हा
प्र ह क् ॥ सि ध त य स्य त श ता ग म उ क् ॥ वि ग ना क्ति ति य त
न मा रि पा उ न क् ॥ वि क्क क्क इ र व उ ता ना धो ल ॥ ~~प्र~~ ज य ल

इमा दे उका न व त्रिग सा ल ॥ मध्य वागम तिः नि य अस
न ॥ लम क न्य सा ल गत ज प ध्म न ॥ धन्य सि व पु त्रिः र म ना व
गो ग न व ला वा ग इ अ ल सं द ति श्र य ॥ श्री स त्र म ति र म व
का ल सा ल ॥ म न म ति मा हा दे उ का ॥ धन्य म नि रू ल ज ग त कि
मा ता ॥ व र्ज श्र ति नि प र न ल ना उ क्ता ॥ अ सि क वा उ ॥ मा हा

ल र व य ग मा हा दे अ प र ल ॥ प त्रां श का र ग व ति ज य यं स्व
ति ॥ इं जा को ला ल नि य अस ना न ॥ धन्य स्व त मा हा दे अ क्रा व ना
या ध न ॥ कि ल स त्रा था र म व ला दे अ ॥ हा म ना प्रा ता श र मा
ल स्य उ अ ॥ अ क्रि मा ध न र ध या ला ग ॥ मा र्म ता श र्क व र
ध न मा ग ॥ स क ल अ सि क व ल ध न पा उ ॥ रा ग या ना ला य

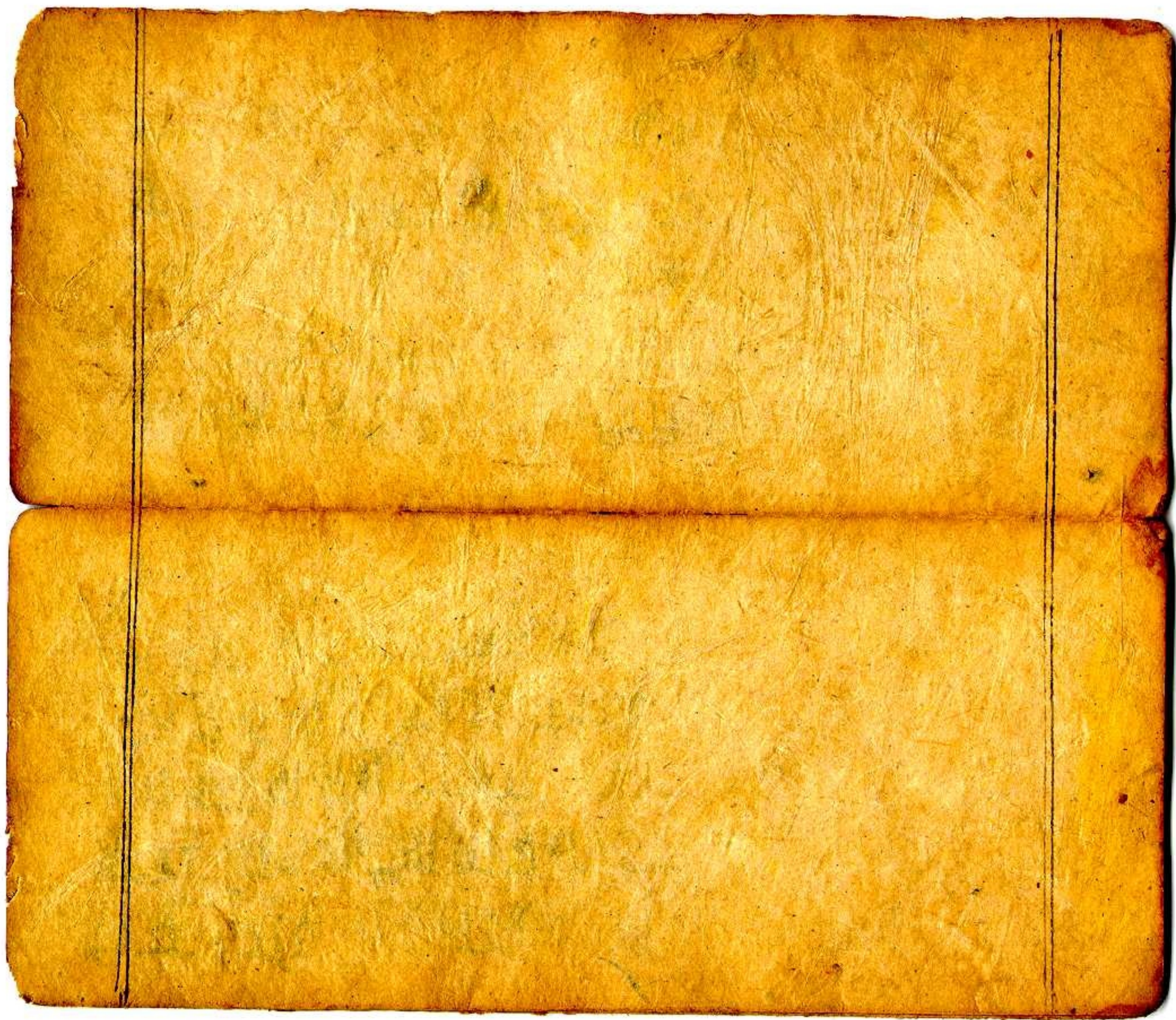
नयन को स्या अल गम उ ॥ का गिर्गल व स व का हि आया ॥
वा म् दा द ठि जय मा हा मा या ॥ रा द गम उ तल्य इः स्र ज विन
य क ॥ अनंत लि ग्य स्व लि दली स न दे खा ड न ॥ प स्र अ डा
गल को का म् दि न्म उ क ॥ वि क्क ना ला य न वृ ज य हि ॥ स
स्म म ति का य ए लान ॥ ना सि का द वि र ठानि का य न ॥

स ग्य दि द वि रं दि ज यि था ॥ न त कि वि ज पा त दि यि ॥ न
त कि कि ए शा यिन पं य न त ला यि ॥ कु ल श दि द वि ति मि
ल श्वा गल ॥ वि न ति कु ल ह ता म् दा ह व स ल्य ज्ञा ति ॥ सिं द्य
सु म ना प य ग्य दा व ति ॥ द वि क्क र ठानि ज य घा ति ता न ॥ वि
ता र्ति ए द कि न का ति मि ॥ स्य ष ना ला य न उ ति मा य म ड ॥

श्रीरुपादेविष्णोर्कोदुसनगरं ज्ञात्वा ॥ एष हि एष रुधा जन
यात्वा ॥ श्रीरुपादेविष्णोर्कोदुसनगरं ज्ञात्वा ॥ श्रीगननाय कर्म
गलस्य ज्ञा ॥ विद्या संपूर्णः सकृदनाक्रादत ॥ एष हि गंदम
रुदननाथ ॥ इति हि मापत नमस्त्रिदुनाथ ॥ पानस्य पात्रिः
गायिहालमान ॥ कायमात्रां लब्धुमदविक्रयन ॥ प्रासाद

निपत्तलकिनिदुलज्ञातः ॥ श्रीगगर्लाकृद्गतसनगरं
ज्ञात ॥ यिरुगर्लनालायनकिस्तनप्रज्ञातान ॥ विष्णुक्रम
गनतलपाय ॥ सिवसिष्टपालवतितां गुल्मप्रियाय निप
दनपैठधाप्रतिः ॥ गन्यसर्वविमनिसहिनाग ॥ गंग
गमउनिधरुलदुत्तमल ॥ मायिकाप्रसादलगमयामायना

श्री मा त्रि षं द मा ष्ठ रु ना थ ॥ लि वि त्रि ख स्व त्रि सि र दा ना ॥ म
 न हि का म ना मा त्रि मा ना ॥ क ल त ह इ ण ल व द वि ना थ ॥ ह ति
 इ ण ल ना थ ॥ ज्ञा त नि न्य इ र व स्था ष ॥ मृ ति ति ज्ञ उ ई द ना थ ॥
 प्र ह्या प्र ण द वि रु णा नि ॥ रु ष्ठ प्र ज्ञा य ति ॥ क ल कृ ण प र्क ह म
 स्व ति ॥ वा स्र वि न ग ल्य गं ग म्भ म म ति स्र ज ॥ द उ पु र्ग ज



श्रीगनयनिस्तुतम्॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

विमलेश्वरः कृष्णकृष्णस्य नाम ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
कृष्णकृष्णः कृष्णकृष्णस्य नाम ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ ९ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ १० ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं विना न भवति ॥ १० ॥